(ग) राजमार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने के संबंध में विभिन्न राज्यों से प्राप्त अभ्यावेदनों का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) उनके प्रति सरकार का क्या रवैया है ?

जः-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईट..र) : (क) देश में 77 राष्ट्रीय राजमार्ग हैं जिनकी कुल लम्बाई 34,058 कि०मी० है ।

(ख) जनवरी, 1993 में कुरनूल से चितूर तक राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 18 ।

(ग) और (घ) 8वीं पंचवर्षीय योजना में उपर्युक्त के अतिरिक्त, विभिन्न राज्य सरकारों से नए राष्ट्रीय राजमार्गों के लिये लगभग 38,600 कि०मी० कुल लम्बाई के 133 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं । परन्तु केन्द्रीय क्षेत्र की सड़कों के कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित किए गए बहुत ही कम आबंटन के कारण, इस समय नए राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा कर पाना कठिन है।

Foreign firm's interest in uioder ni tation, of Porte

2249. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: WiH the Minister of SURFACE TRANSPORT b$_e$ pleased to refer to the answer to Unstarred Question 7886 given in the Rajya Sabha on 15th June, 1994 and state:

(A) whether any foreign firms have shown interest or desired them to bo included for modernisation of ports operations; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) \es, Sir.

(b) The foreign firms have shown their interest in the areas of handling of bulk and break bulk cargo, providing container transport (Houlage) depot services, port management and leasing/ financing of dredging equipments etc.

Modernisation of Paradeep Port

2250. SHRI SARADA MOHANTY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) the number of ports identified by Government for modernization during th$_e$ Eighth Plan and funds earmarked therefor;

(b) what progress has been made so far in modernisation of these ports;

(c) wherth^r Government have taken steps to modernize Paradeep Port;

(d) if so, the progress made so far. and

(e) th$_e$ details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) All the 11 Major Ports in the country have been identified for modernization during 8th Plan. An outlay of Rs. 2984 crores has been allocated for this purpose.

(b) Several major projects aiming at modernisation of major ports namely Container Handling Facilities at Cal cutta Port, 7th Cargo Berth at Kandla Port. Second Coal Jetty at Huticorin Port, Balance portion of additional berth a New Mangalore Port and conversion of WJ-1, WJ-2 and WJ-3 Jetties at Visakhapatnam Port into full-iledged bertiis have since been completed and commissioned during 8th Plan.

(c) to (e) At Paradeep Port a major p; oject namely Construction of a Multi purpose Cargo Berth ha$_s$ already been sanctioned by Government at an esti mated cost of Rs. 26.36 crores and is taken up for execution. The work on this project is going on as per schedule and is likely to be completed by August,

1995. Another major project namely Provision of Mechanised facilities for handling thermal coal and construction of two coal berths has also been sanc-i tioned at an estimated cost of Rs. 587.41 crores. The Consultants for preparation of detailed design and engineering for this project have since been appointed and the work of preparation of conceptual design is in progress. The project is being funded through Asian Development Bank (ADB) assistance to the tune of US$ 134.85 million. The project is scheduled to b_e completed by April, 1998.

प्रकाशस्तम्भ और दीप-नौका का कार्य

2251. **मौलाना अबेदुल्ला खान आजमी :** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रकाश स्तम्भों और दीप-नौकाओं का विस्तृत ब्यौरा क्या है ;

(ख) प्राचीनतम और नवीनतम प्रकाश स्तम्भ और दीप-नौका का क्या नाम है और इन्हें कब स्थापित किया गया था ;

(ग) इनमें से प्रत्येक के क्या कार्य हैं;

(घ) क्या सरकार के पास इनके लिये कोई भावी योजना है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर) : (क) से (ग) भारतीय प्रकाशस्तम्भ अधिनियम के अनुसार "दीपघर" में कोई ऐसा प्रकाश जलयान, कोहरा-संकेतक, बोया बीकन या कोई चिन्ह संकेत या साधित्र है, जो पोत के मार्गदर्शन के लिए प्रदर्शित या प्रयुक्त हो ।

प्रकाश पोत एक नौचालन साधन हैं जो समुद्र अथवा हार्बर के प्रवेश मार्ग पर पोत के मार्ग-दर्शन के लिए स्थापित किया जाता है।

भारत का प्राचीनतम दीपघर लक्ष्यद्वीप में स्थित मिनिकॉय दीपघर है जो 100 वर्षों से भी अधिक पुराना हैं। नवीनतम दीपघर, वर्ष 1994 में प्रदर्शित किया गया जो अंदमान सागर में इंटरव्यू द्वीप में स्थित है।

दीपघरों का उद्देश्य नौचालन साधनों को सस्योग प्रदान करना है ।

(घ) और (ङ) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान, प्रकाश स्तंभों और अन्य नौचालन साधनों के विकास के लिए 57 करोड़ रु० का प्रावधान किया गया है । आठवीं योजना के दौरान मुख्य स्कीमों में मौजूदा प्राकाशस्तंभों का निर्माण और सुधार, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नए दीप स्तंभों का निर्माण, रेल, रेडियो बीकन और विधि उपग्रह प्रणाली जैसे रेडियो नौचालन साधनों की स्थापना शामिल है।

Construction of bridge at SkribargO|,>ind-pur in Punjab

2252. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state;

(a) what is the present position of the bridge under construction on Shrihargo-vindpur in Punjab and when it will be completed;

(b) what time and energy of people will be saved by completion of the above bridge which links Batala to Chandigarh via Hoshiarpur;

(c) whelher any survey has been made in this regard; and

(d) if so, what are the reasons for delay in completing the Bridge?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) The work on Srihargobindpur brfdge is in progress. The bridge proper is likely to be completed by December 1995 and the approaches and guide funds by March, 19£7 subject to availability of foTpf<3